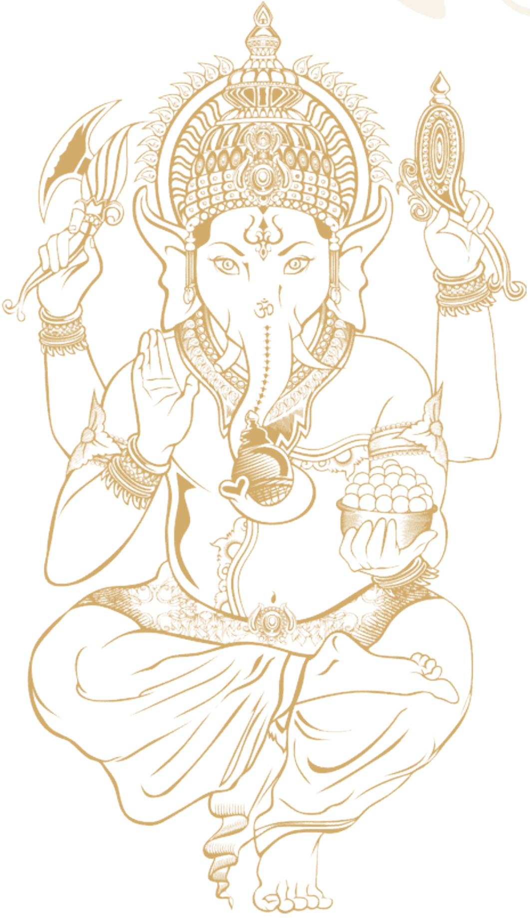

Gunjan

16 Aug 2000

01:12 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121796506

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **15-16/08/2000**
दिन	: मंगल-बुधवार
जन्म समय	: **01:12:00 घंटे**
इष्ट	: 48:30:04 घटी
स्थान	: **Meerut**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 29:00:00 उत्तर
रेखांश	: 77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 00:52:48 घंटे
वेलान्तर	: -00:04:26 घंटे
साम्पातिक काल	: 22:30:52 घंटे
सूर्योदय	: 05:47:58 घंटे
सूर्यास्त	: 18:58:44 घंटे
दिनमान	: 13:10:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 29:23:57 कर्क
लग्न के अंश	: 28:17:47 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	: **कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	: **धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
योग	: शोभन
करण	: कौलव
गण	: राक्षस
योनि	: सिंह
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: गे-गैरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	28:17:47	344:41:37	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			कर्क	29:23:57	00:57:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	06:08:43	12:11:01	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	15:39:22	00:38:30	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	नीच राशि
बुध		अ	कर्क	22:48:51	02:01:54	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु			वृष	14:15:42	00:07:51	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	17:18:43	01:13:44	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			वृष	06:26:21	00:02:53	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:36:24	00:03:52	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:36:24	00:03:52	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	24:48:05	00:02:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	10:48:57	00:01:31	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:17:51	00:00:10	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	12:03:57	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:42

लग्न-चलित

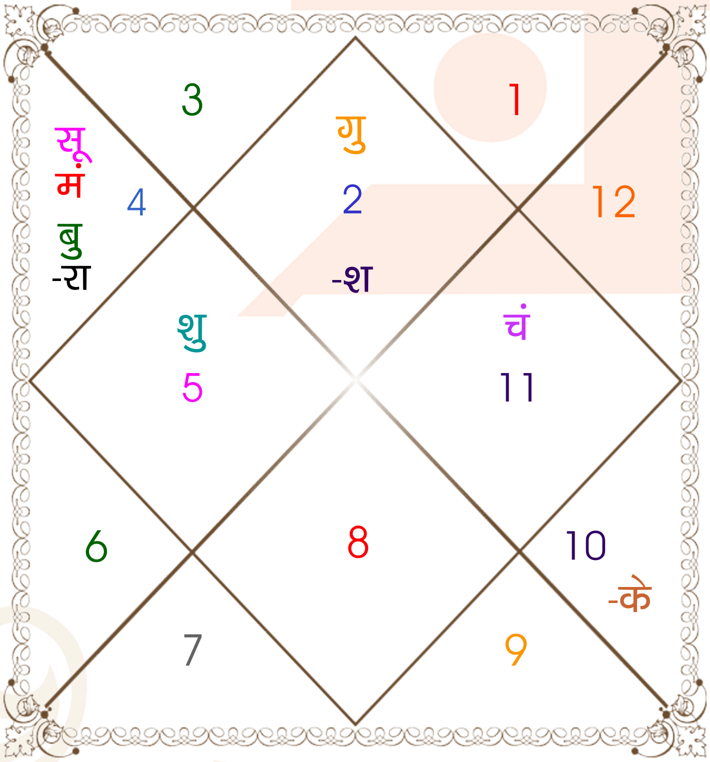

चन्द्र कुंडली

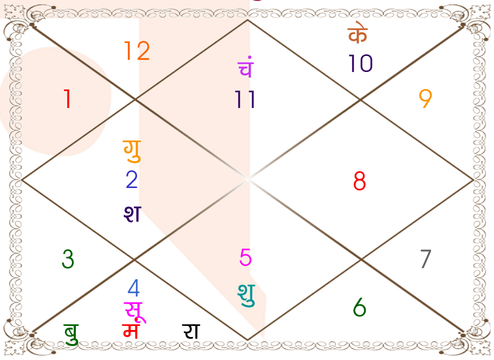

नवमांश कुंडली

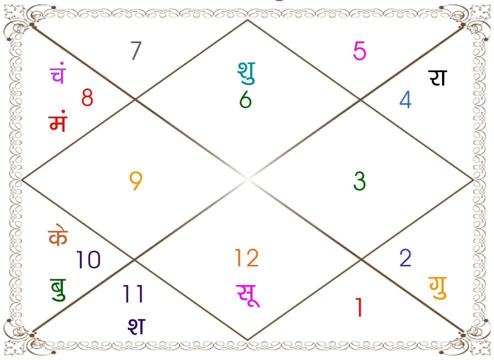

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 3 मास 8 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/08/2000		24/11/2000		24/11/2018		24/11/2034		24/11/2053	
24/11/2000		24/11/2018		24/11/2034		24/11/2053		24/11/2070	
	00/00/0000	राहु	07/08/2003	गुरु	11/01/2021	शनि	27/11/2037	बुध	21/04/2056
	00/00/0000	गुरु	30/12/2005	शनि	26/07/2023	बुध	06/08/2040	केतु	19/04/2057
	00/00/0000	शनि	05/11/2008	बुध	30/10/2025	केतु	15/09/2041	शुक्र	17/02/2060
	00/00/0000	बुध	26/05/2011	केतु	06/10/2026	शुक्र	14/11/2044	सूर्य	24/12/2060
	00/00/0000	केतु	12/06/2012	शुक्र	06/06/2029	सूर्य	27/10/2045	चंद्र	25/05/2062
	00/00/0000	शुक्र	13/06/2015	सूर्य	26/03/2030	चंद्र	29/05/2047	मंगल	23/05/2063
	00/00/0000	सूर्य	07/05/2016	चंद्र	26/07/2031	मंगल	07/07/2048	राहु	09/12/2065
	16/08/2000	चंद्र	06/11/2017	मंगल	30/06/2032	राहु	13/05/2051	गुरु	16/03/2068
चंद्र	24/11/2000	मंगल	24/11/2018	राहु	24/11/2034	गुरु	24/11/2053	शनि	24/11/2070

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/11/2070		24/11/2077		24/11/2097		25/11/2103		25/11/2113	
24/11/2077		24/11/2097		25/11/2103		25/11/2113		17/08/2120	
केतु	22/04/2071	शुक्र	25/03/2081	सूर्य	13/03/2098	चंद्र	25/09/2104	मंगल	23/04/2114
शुक्र	21/06/2072	सूर्य	26/03/2082	चंद्र	12/09/2098	मंगल	26/04/2105	राहु	11/05/2115
सूर्य	27/10/2072	चंद्र	24/11/2083	मंगल	18/01/2099	राहु	26/10/2106	गुरु	16/04/2116
चंद्र	28/05/2073	मंगल	23/01/2085	राहु	13/12/2099	गुरु	25/02/2108	शनि	26/05/2117
मंगल	24/10/2073	राहु	24/01/2088	गुरु	01/10/2100	शनि	25/09/2109	बुध	23/05/2118
राहु	12/11/2074	गुरु	24/09/2090	शनि	13/09/2101	बुध	24/02/2111	केतु	19/10/2118
गुरु	19/10/2075	शनि	24/11/2093	बुध	20/07/2102	केतु	25/09/2111	शुक्र	20/12/2119
शनि	27/11/2076	बुध	24/09/2096	केतु	25/11/2102	शुक्र	26/05/2113	सूर्य	25/04/2120
बुध	24/11/2077	केतु	24/11/2097	शुक्र	25/11/2103	सूर्य	25/11/2113	चंद्र	17/08/2120

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 3 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगी। आप सदैव ही पुरुष तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगी।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगी मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगी।

यद्यपि आप सहज स्वभाव की प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय महिला हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतीं बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाती हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देती हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करती हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करती है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकती हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरस्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुई तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगी। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करती रहेंगी।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगी।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहती हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करती हैं। अंततः आपकी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगी। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगी।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करती रहती हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करती हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति की स्वामी होंगी। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगी। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।